खबर संक्षेप

कलेक्टर ने दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की सुनी समस्याएं

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम सपटा निवासी धीरेंद्र सिंह शिक्षक ने सेवा पुस्तिका में अर्जित अवकाश दर्ज करवाने, सोहागपुर निवासी संदीप शुक्ला अवैध रूप से तालाब एवं नजूल की भूमि से अतिक्रमण हटाने, कल्याणपुर निवासी ओमवती आर्मो ने हॉस्टल में कुक पद पर काम दिलाए जाने , ग्राम बैला निवासी कौषल किषोर शुक्ला ने ग्राम पंचायत भादवाही निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच हेतु आवेदन कलेक्टर डॉ.केदार सिंह को दिए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अन्य प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

धनपुरी क्षेत्रवासियों को मिलेगी डायलिसिस की सुविधा

शहडोल। राज्य सरकार द्वारा मरीजो के उपचार के लिए लगातार कार्य कर रही है। किडनी के मरीजो को दूसरे शहरो में दौड़ लगाने से मुक्ति मिलेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपुरी में डायलिसिस मशीन के शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक जयसिंह मरावी ने यह बात कही। विधायक जयसिंह मरावी ने फीता काटकर डायलिसिस की सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबडा, पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम श्रीमती अमिता चपरा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती पूजा बुनकर, पार्षद, चिकित्सक तथा गणमान्य नागरिक एवं मरीजो के परिजन उपस्थित रहें।

15 जुलाई तक चलाया जाएगा धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान

शहडोल। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अब 15 जुलाई 2025 तक चलाया जाएगा। जिसमें आधार अपडेशन, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, पी.एम. किसान सम्मान निधि पंजीयन, राशनपर्ची, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, समग्र ई-केवासी, सामाजिक सुरक्षा पेशन, सिकल सेल एनिमिया स्क्रीनिंग, क्षय रोग स्क्रीनिंग, मातृ वंदना योजना,पी.एम. आवास, इत्यादि के लाभ से छूटे हितग्राहियों को लाभांवित किया जाना है।

जनजातीय विद्यार्थियों का एनएसपी पर ओटीआर होना अनिवार्य

शहडोल। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने जानकारी दी है कि जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार कक्षा 9 वीं से महाविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी जिन्हे केन्द्र प्रवर्तित प्री-मैट्रिक/पो.मै. छात्रवृत्ति (वार्षिक पारिवारिक आय सीमा राशि रूपये 2. 50 लाख से कम) का लाभ प्राप्त होता है उन्हे वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये नेशनल स्कालरसिप पोर्टल (एनएसपी) पर वन टाईम. रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) कराना अनिवार्य है। विद्यार्थियों द्वारा एक बार ओटीआर नम्बर प्राप्त कर लिये जाने के पश्चात भविष्य में भी आगामी कक्षाओं में इसी नम्बर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।

बरसात शुरू होते ही छोटे दुकानदारों पर अतिक्रमण का कोरम शुरू

गैरों पर सितम, अपनों पर करमः ढोंग बना नपा का अभियान

अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर संचालित बाम्बे सेल हुई सील

शहडोल। नपा कार्यालय के सामने बाम्बे सेल के अलावा मंगलम ज्वेलर्स के सामने फुटपाथ को रोड से मिलाने का काम के साथ ही दर्जन भर चिन्हित स्थान जहां फुटपाथ भाड़े पर उठा है, स्थाई अतिक्रमण है, इन सबसे परे नगर पालिका सिर्फ छोटे दुकानदारों को निशाना बनाकर बरसात से पहले उन्हें बेघर कर कोरम पूरा करने में जुटी है।

मंगलवार को शुरू हुई नगर पालिका की अतिक्रमण हटाओ, फुटपाथ बचाओ अभियान पर चालू होने के कुछ ही घंटो में बारिश ने पानी फेर दिया, इस दौरान चिन्हित छोटे दुकानदारों को किनारे करके फोटोग्राफी और कोरम पूरा करने की प्रक्रिया पूरी की गई, सरस्वती शिशु मंदिर से सटे मुख्य मार्ग पर पौधों के कारोबारी के यहां पौधे जब्त किये गये, नपा के जिम्मेदार कर्मचारियों को करीब 3 माह पूर्व इसी पौंधों के दुकान के ठीक बाजू से दिन-दहाड़े रेडीमेड दुकान का स्टॉल अपलोड करने और इसका वीडियो सोशल मीडिया में वॉयरल होने के बाद भी नींद नहीं खुली थी, बहरहाल कुछ घंटो में छोटे-मोटे दुकानदारों को चमकाते हुए बड़े कारोबारियों तक यह संदेश भेजने की कवायत नपा ने पूरी कर दी। इस दौरान नपा के कर्मचारी व अधिकारी अपने साथ पुलिस स्टॉफ को लेकर भी नहीं पहुंचे थे, आज सब्जी मण्डी में अतिक्रमण हटाने का अभियान है, बीते वर्ष नपा का अभियान इसी मण्डी में आकर चरमरा गया था, बहरहाल मंडी को अतिक्रमण से मुक्त कराते हुए यातायात को सुव्यवस्थित करना वह भी बगैर पुलिस की मदद के दूर की कौड़ी नजर आ रहा है।

चंद कदमों पर बाम्बे....सेल संचालित

नगर पालिका कार्यालय के ठीक सामने बीते कुछ महीनों से बाम्बे सेल संचालित है, बीच शहर में सेल संचालित करने के लिए जितने नियमों का कोरम पूरा करना होता है, इसमें विद्युत के लिए एनओसी के बाद कनेक्शन, बाहर से आये कर्मचारियों का पुलिस वैरीफिकेशन, नजूल की भूमि का मासिक या दैनिक भाड़ा, सेल के बाहर पार्किंग की व्यवस्था तथा अग्निशामक यंत्रों के साथ ही बेची जा रही सामग्री के जीएसटी वाले पक्के बिलों जैसे तमाम नियमों से परे हटकर बाम्बे सेल संचालित थी, जाहिर है या तो नपा के जिम्मेदार धृतराष्ट्र बन चुके हैं या फिर उन्होंने चंद रूपयों में जमीर को बेच दिया था। मंगलवार को अतिक्रमण हटाओ कार्यवाही के दौरान यह मामला सामने आया। नियमों का कोरम कितना पूरा हुआ और कितना आज भी अधूरा है, यह तो जिम्मेदार ही जाने, लेकिन चंद कदमों पर संचालित सेल में जांच के लिए बाम्बे की दूरी से भी अधिक का समय जरूर लगा दिया।

फुटपाथ छोड़ सडक़ पर राहगीर

संभागीय मुख्यालय दुकानों के आगे बने फुटपाथ पर दुकानदारों ने शैड लगाकर स्थाई रूप से कब्जा किया हुआ है। फुटपाथ पर पैदल चलने के लिए कोई जगह न होने के कारण राहगीरों को चलते

सडक़ पर से गुजरना पड़ता है। जहां हर वक्त तेज रफ्तार से आ रहे वाहनों से हादसा होने का भय बना रहता है। संभागीय मुख्यालय के न्यू गांधी चौक से जयस्तंभ चौक, न्यू गांधी चौक चौक से बुढ़ार चौक, बुढ़ार चौक से रीवा होटल, बुढ़ार चौक से बस स्टैण्ड, न्यू गांधी चौक से रेलवे स्टेशन रोड, न्यू गांधी चौक से सब्जी मण्डी सहित लगभग हर क्षेत्र में दुकानदारों ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा है, बीते माहों में नगर पालिका का अमला सब्जी मण्डी में अतिक्रमण हटाने के लिए निकला था, लेकिन आधी-अधूरी कार्यवाही कर लौटना पड़ा था, जहां तक कार्यवाही हुई थी, वह एक बार फिर से अतिक्रमण हो चुका है।

जब्ती के साथ होगी कार्यवाही

जहां दुकानदारों ने फुटपाथ पर अपना समान न सजा रखा हो। ऐसे में चौड़ी सडक़ों के सकरा जाने से हर वक्त जाम की स्थिति भी बनी रहती है, मंगलवार को नपा अमला अतिक्रमण हटाने के साथ दुकानों को चेतावनी दी कि फुटपाथ से कब्जा हटाया जाये, नहीं तो आने वाले दिनों में सामान की जब्ती भी की जायेगी, नपा अमले ने चौपाटी के अलावा नर्मदा गैस गोदाम तक अतिक्रमण के खिलाफ मुहीम तो छेड़ी, लेकिन

अतिक्रमणकारियों के लिए बारिश राहत बनकर आ गई, जिसके चलते नपा का अतिक्रमण हटाने की मुहीम आधे में ही लटक गई, हालाकि नपा कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि बुधवार को एक बार फिर नपा का अमला अतिक्रमण हटाने के लिए निकलेगा, इस दौरान दुकानदारों को समझाईश भी नपा कर्मचारियों द्वारा दी गई।

नहीं मिला दो साल का राजस्व

शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका का अमला सडक़ पर उतर चुका है, सोमवार को मुख्य नगर पालिका के नेतृत्व में अमला चौपाटी पर पहुंचा और दुकानो का अतिक्रमण हटवाया, लेकिन नगर पालिका के अमले के जाने के बाद दुकानदारों ने फिर से अपनी पन्नी तान ली, हालाकि नगर पालिका के अमले ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी है कि अगर अतिक्रमण हुआ तो, सख्त कार्यवाही होगी, इसके साथ ही यह जानकारी भी लगी कि चौपाटी में लगने वाली दुकानों का दो साल का राजस्व नपा को अब तक नहीं मिला है। हालाकि यह भी चर्चा रही कि नगर पालिका का अमला पुलिस टीम के सहयोग के बगैर शहर में अतिक्रमण हटाने निकता है, जिसके बाद विवाद की स्थिति निर्मित होती है तो, वह नगर पालिका का अमला बैकफुट पर पहुंच जाता है, साथ ही सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा भी अतिक्रमण के खिलाफ अंदरखाने से नगरपालिका कर्मचारियों पर दबाव बनाया जाता है। हालाकि संभवतः इस बार नगर पालिका की टीम जब सब्जी मण्डी के अतिक्रमण हटाने के लिए निकलेगी तो, पुलिस विभाग का सहयोग जरूर लेगी।

दुकानदारों के हौसले बुलंद

नपा कर्मचारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान चला कर कब्जाधारियों पर कार्रवाई की जाती है। फुटपाथ पर कोई समान रखता है तो वह भी अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। फुटपाथ राहगीरों के चलने के लिए है, उस पर अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। पूर्व में अतिक्रमण हटाने के लिए दुकानदारों को नोटिस भी जारी किए गए हैं। जिसमें अतिक्रमणकारियों को मोहलत दी गई थी, यदि अब भी अतिक्रमण नहीं हटा तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि नगरपालिका अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करती है। अतिक्रमणकारियों का सामान तो उठा लिया जाता है, लेकिन बाद में उन्हें यह सामान फिर वापिस दे दिया जाता है। लगाया जाने वाला जुर्माना भी नाम मात्र ही है। ऐसे में दुकानदारों के हौंसले बुलंद रहते है।

उपक्षेत्रीय प्रबंधक हरी बाबू का किया गया सम्मान

शहडोल। कोयला श्रमिक संघ (सीटू) सोहागपुर क्षेत्र की ओर से आज खैरहा उपक्षेत्र के नवपदस्थ उपक्षेत्रीय प्रबंधक हरी बाबू का गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर उनके महाप्रबंधक पद पर पदोन्नति पर भी सीटू नेताओं ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रकट कीं। स्वागत समारोह में सीटू क्षेत्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार राय*ने हरी बाबू को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया, वहीं अरुण गौतम (क्षेत्रीय सचिव, सोहागपुर क्षेत्र / जिला अध्यक्ष, सीटू शहडोल) ने उन्हें साल पहनाकर सम्मानित किया।

इसके साथ ही सीटू के अन्य पदाधिकारियों ने भी हरी बाबू का गुलदस्ता देकर अभिनंदन किया। इस दौरान विनोद राय (क्षेत्रीय जेसीसी सदस्य), इंद्रजीत पटेल (सचिव, खैरहा माइन), रामराज तिवारी (क्षेत्रीय वेलफेयर बोर्ड सदस्य), अजय मिश्रा (कार्यवाहक अध्यक्ष, राजेंद्र), रविंद्र कुमार मिश्रा (वेलफेयर बोर्ड सदस्य), कल्लू सिंह (आवास आवंटन समिति सदस्य), नारायण राय (अध्यक्ष, दामिनी), और हरीलाल प्रजापति (पिट सेफ्टी कमेटी सदस्य, दामिनी) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और सभी उपस्थितजनों ने हरी बाबू के नेतृत्व में उपक्षेत्र के सर्वांगीण विकास की कामना की।

इन्टरनेट बैंकिंग के जरिये ग्रामीणों को लूट फरार हुआ आरोपी

राशि चेक के बहाने हड़पे लाखों रुपए, प्रधानमंत्री आवास की राशि पर लगाया दांव

उमरिया। जिले में इन्टरनेट बैंकिंग के जरिये ग्रामीण अंचलों में भोले - भाले आदिवासियों को छलने का काम बेधडक और निर्ममता पूर्ण किया गया है। बैंक के हितग्राहियों को बैंक खाता चेक करने के बहाने आदिवासियों की राशि को हड़पा गया है। आदिवासियों की राशि पर दांव खेलने वाले लोगों ने प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति राशि पर हाथ साफ करने का सुनहरा अवसर तलाश कई आदिवासियों को छलते हुए लाखों रूपयो का वारा न्यारा किया है। वर्तमान में शासन के व्दारा हर एक नागरिक का बैंक खाता अनिवार्य कर दिया गया है। ताकि लोगों को ठगने से बचाया जा सकें, लेकिन ठगों ने नित नई तरकीब के जरिये क्षेत्र में ठगने का जो तांडव मचा रखा है वह जानकर लोगों की आंखों में पानी आ जाता है फिर भी ठग राज आज भी कायम है । ऐसा ही इन्टरनेट बैंकिंग के जरिये ठगी का संवेदनशील मामला पाली विकास खंड के दूरांचल गांवों में

प्रकाश में आया है।जहाँ पर क्षेत्र के निरीह, अनजान लोगों पर डोरे डाल कर उनकी राशि इन्टरनेट बैकिंग के जरिये हडपा गया है। मामले के संबंध में बताया जाता है कि आदिवासी विकास खंड पाली के ग्राम पंचायतों में बडबाही, धौरई,बकेली भदरा, पहडिया,अर्जुनी और घुनघुटी आदि गाँव में बैंक आफ इंडिया के इन्टरनेट बैंकिंग से सैकड़ों लोगों की धनराशि को हडपने का काम किया गया है। जिन आदिवासियों के खाते से राशि आहरित हुई है, वे आज भी दर दर भटकते नजर आ रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में पाली जनपद पंचायत के अर्जुनी ग्राम के मामले में घुनघुटी चौकी में दिलीप शुक्ला उर्फ कन्हैया शुक्ला पिता ठाकुर शुक्ला ग्राम बडबाही के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया गया है। मामले को पंजीबद्ध हुए लगभग दो महीने व्यतीत हो रहें हैं, लेकिन अभी तक अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।बताया जाता है कि उक्त आरोपी भारतीय जनता पार्टी के पूर्व किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष पाली पद पर सुशोभित रह चुके हैं जो की वर्षों से गरीबों के वृदधा पेशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेशन, किसी के मरणोपरांत मिलने वाली राशि, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि की राशि दर्जन भर गांवों में घूम घूमकर आहरित कर लिये हैं, अब मामले के पंजीकृत होने पर उच्च न्यायालय के चक्कर काट रहे हैं। देखना लाजिमी होगा की जिन गरीब आदिवासियों की राशि हडपी गयी है, उन्हें न्याय कैसे मिलेगा।

इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

शहडोल। इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन संभागीय मुख्यालय शहडोल के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में किया गया। इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने फीता काटकर किया तथा विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान प्रदर्शनी में शहडोल ,उमरिया, अनूपपुर एवं डिंडोरी जिले के नामांकित 127 में से 90 छात्र-छात्राओ ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर दिल्ली से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से विवेक त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी फूलसिंह मरपाची, पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के डॉ. प्रमोद पांडेय, डॉ.एम.के.भटनागर, डाईट प्राचार्य श्रीमती अभिलाषा मिश्रा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय, शिक्षा विभाग के अरविंद पाण्डेय सहित विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थें।

8 खेत तालाब एवं 4 डगबेल रिचार्ज का किया गया कार्य

ग्राम पंचायत करकी में जल गंगा संवर्धन अभियान का किया गया समापन

शहडोल। जनपद पंचायत जयसिंहनगर अन्तर्गत ग्राम पंचायत करकी मे ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल की उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन किया गया। ग्राम पंचायत करकी में जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत कुल 08 खेत तालाब एवं 04 डगबेल रिर्चाज का कार्य किया जा रहा है। जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत स्वीकृत जल संरचनाएं जब पूर्ण होगी तो भू जल स्तर में वृद्वि होगी तथा जिन किसानो के खेत में खेत तालाब बनाए गए है उन किसानो को खेत की सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। जिससे ये किसान उद्यानिकी, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां भी संचालित कर सकेंगे। ये विचार ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शरद जुगलाल कोल ने ग्राम करकी में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए व्यक्त किए।

सीईओ जनपद पंचायत ने बताया कि जनपद पंचायत जयसिंहनगर में 870 खेत तालाब 130 डगवेल रिचार्ज तथा 5 अमृत सरोवर तालाब स्वीकृत कर जल संरक्षण और संवर्धन का कार्य जन आंदोलन के रूप में किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन के अवसर पर नवीन खेत तालाब के हितग्राहियों एवं जल दूतो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन, एपीओ मनोज मिश्रा, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, नवीन खेत तालाब के लाभान्वित हितग्राही, जलदूत सहित ग्रामवासी उपस्थित रहें

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। अमरकंटक सभाकक्ष में उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई में शहडोल जिले के बाणगंगा रोड़ शहडोल निवासी सेवा निवृत्त शिक्षक अशोक कुमार द्विवेदी ने अर्जित अवकाश नगदीकरण भुगतान करवाने, जिला अनूपपुर ग्राम खमरौंध निवासी लालमन सिंह ने समग्र आईडी अलग करवाने, शहडोल जिले के जयसिंहनगर

वार्ड नम्बर 1 निवासी पंकज कुमार गुप्ता ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर के कार्यालय हेतु क्रय की गई सामग्रियो का भुगतान करवाने, शहडोल जिले के ग्राम रतहर निवासी मयाराम यादव ने विद्युत कनेक्शन करवाने हेतु आवेदन उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय को दिए। उपायुक्त राजस्व ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियो को आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य आवेदको ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन उपायुक्त राजस्व को दिए।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित किए गए शिविर

शहडोल। भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनजाति समुदायों के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक आर्थिक स्तर का विकास, शिक्षा स्वास्थ्य एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के उद्देश्य से जिले में 402 चिन्हित ग्रामों में धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान 15 जुलाई 2025 तक जिले मे तिथिवार शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ व सेवाओ की जानकारी दी जा रही है। शहडोल जिले के ब्यौहारी जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर आयोजित किये गए। शिविर में जन जातीय समुदायों को शासन के विभिन्न योजनाओं से अवगत कराते हुए धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत अधिक से अधिक इसका लाभ लेने हेतु अपील की गई। शिविर में विभिन्न जन कल्याणकारी योजना एवं सेवाओं से संबंधित जानकारी देने के साथ जनजातीय समुदाय के उपस्थितजनो से आवेदन पत्र भी प्राप्त किए गए।

शिविर में आधार कार्ड सुधार, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, जन्म

प्रमाण पत्र,पीएम किसान, जन धन खाता, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुद्रा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, सहित अन्य सभी योजनाओं एवं सेवाओ की जानकारी दी गई। शिविर में संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सरपंच पंच जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

राष्ट्रगान के साथ हुई शासकीय कामकाज की शुरूआत

उमरिया। संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में संगीतमय राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान तथा मध्यप्रदेश के गान के साथ शासकीय काम काज की शुरूआत की गई। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे । राष्ट्रगान , राष्ट्रगीत तथा मध्यप्रदेश गान के गायन की संगीतमय प्रस्तुति सोहन चौधरी एवं उनके दल व्दारा दी गई।

13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को किया गया है । नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल, श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुंब न्यायालय में लंबित , प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंकों के प्रकरण, नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा ।

प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओ एवं जन मानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों को आपसी सुलह समझौता के माध्यम से निराकृत कराएं तथा आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं ।

7 जुलाई को जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

उमरिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में 7 जुलाई को समय सीमा की बैठक के पश्चात आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

मनमाना किराया वसूली से लोगों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। बिजुरी रेलवे स्टेशन में इस समय ऑटो चालकों द्वारा यात्रियों से मनमाना किराया वसूली किया जाता है। इससे लोगों में आक्रोश पनप रहा है। अनाप-शनाप यात्री किराया से खासकर निम्न वर्ग के लोगों और छात्रों को खासी मुश्किलें हो रही है। लोगों का कहना है कि बिजुरी बाजार से माईनस का किराया ऑटो में 30 रुपये लिया जा रहा है, जबकि की दूरी 4 किलोमीटर है। वहीं बिजुरी रेल्वे स्टेशन से नगर पालिका, गुलाब ग्राउंड की दूरी मात्र 1 किलोमीटर से भी कम है, जबकि यात्रियों से 100 रुपये किराया वसूला जाता है। वहीं कपिलधारा जो रेलवे स्टेशन से 5 किलोमीटर है मनमर्जी किराया लिया जाता है। लोगों ने जिला प्रशासन से अविलंब दूरी के हिसाब से किराया निर्धारित कर वाहन में किराया लिस्ट चिपकाने और निर्धारित से अधिक किराया लेने वाले वाहन मालिकों पर कार्रवाई की मांग की है, जिससे लोगों को राहत मिल सके। साथ ही कहा कि अगर जल्द किराया वसूली में मनमानी पर रोक नहीं लगी तो आंदोलन पर बाध्य होना पड़ेगा।

बांधवगढ़ में भारतीय के साथ विदेशी पर्यटकों की बढ़ी संख्या

बाघों की दहाड़ के साथ पर्यटकों की संख्या में उछाल

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व इन दिनों पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बीते पांच साल में यहां बाघों की दहाड़ के साथ-साथ पर्यटकों की संख्या में भी जबरदस्त उछाल आया है। वर्ष 2020-21 से लेकर 2024-25 (मई तक) के आंकड़ों के अनुसार यहां 8,24,379 पर्यटक घूमने आए। जिनसे करीब 61.21 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इन वर्षों में खास बात यह भी रही कि भारतीय पर्यटकों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों की भी संख्या बढ़ी है। वर्ष 2020-21 में जहां केवल 109 विदेशी पर्यटक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंचे थे, वहीं 2024-25 (मई तक) यह संख्या बढ़कर 32,528 तक पहुंच गई।

1 लाख 93 हजार पर्यटक पहुंचे

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से हर साल आय में भी वृद्धि दर्ज की गई। 2020-21 में जहां यह आय 4.65 करोड़ रुपये थी। वहीं, 2024-25 (मई तक) यह बढ़कर 16.67 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 (मई तक) में 1,93,036 पर्यटक टाइगर रिजर्व पहुंचे। यह अब तक के सभी वर्षों का सर्वाधिक आंकड़ा है। इस कारण इस वर्ष को अब तक का सबसे सफल पर्यटन वर्ष माना जा रहा है।

सबसे घनी बाघ की जनसंख्या

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व देश के सबसे घनी बाघ जनसंख्या वाले क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यहां बाघों को उनके प्राकृतिक परिवेश में देखने का रोमांच पर्यटकों को बार-बार आकर्षित करता है। इसके अतिरिक्त, यहां की हरियाली,

पक्षियों की विविधता, तेंदुआ, हिरण, भालू जैसे वन्यजीवों की उपस्थिति और ऐतिहासिक बांधवगढ़ किले के अवशेष भी पर्यटन को नई ऊंचाइयां दे रहे हैं।

बांधवगढ़ देश की पहचान

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पर्यटकों की बढ़ती संख्या का श्रेय सुनियोजित प्रबंधन, ऑनलाइन बुकिंग सुविधा, प्रशिक्षित गाइड्स, सुरक्षा उपायों और पर्यावरण-संवेदनशील पर्यटन व्यवस्थाओं को जाता है। इसके अलावा, स्थानीय समुदाय को पर्यटन से जोडने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपनी पहचान बना चुका है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, दिये निर्देश

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए आम जनों की समस्याओं को सुना तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर आवेदन प्रेषित किया । जनसुनवाई में रेखा बारी शारदा कालोनी ने फौती नामांतरण कराने, शंकुतला बाई चंदिया ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, वेवा बेटी बाई ग्राम बल्हौड़ ने अधिकार पत्र की जमीन को छीनने, मारपीट करने, लोटन गड़ारी ग्राम भरौला ने खेत तक जाने के लिए रास्ता दिलाने, शिवमंगली ग्राम महुरी ने प्राथमिक शाला महुरी में रसोईया का काम दिलाने, कौशल चौधरी चंदिया वार्ड क्रमांक 3 ने आग लगने से हुए नुकसानी की सहायता राशि दिलाने, अंजू निवासी मउहार ने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने, अजय सेन ग्राम चंदवार ने पिता की मृत्यु पश्चात संबल योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन किया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज , डिप्टी कलेक्टर हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उमरिया अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में खनिज राजस्व प्राप्ति, वित्तीय वर्ष 2025-26 में दर्ज अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण पर की गई कार्यवाही, आर आर सी की वसूली के संबंध में चर्चा की । कलेक्टर श्री जैन ने आरआरसी की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए । उप संचालक खनिज फरहद जहां ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 -26 में माह अप्रैल 2025 से जून 2025 तक का लक्ष्य 16.75 करोड़ के विरूध्द 9.87 करोड़ रूपये की राजस्व प्राप्ति हुई है । इसी तरह अवैध उत्खनन के 12 प्रकरणों में 8 प्रकरणों का निराकरण किया गया है जिसमें 1.43 लाख रूपये की राजस्व प्राप्त हुई है । अवैध परिवहन के 17 प्रकरणों में से 12 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 5.50 लाख रूपये की राजस्व आय प्राप्त हुई । अवैध भंडारण के 1 प्रकरण में 0.39 लाख रूपये की राजस्व प्राप्त हुआ है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज , डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले , हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

प्रधानाध्यापक शिव कुमार पटेल हुये सेवानिवृत्त

प्रधानाध्यापक ने कहा – विद्यार्थियों की सफलता ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी

हरिभूमि न्यूजबदरा/जमुना। शासकीय माध्यमिक शाला पयारी क्रमांक-1 के प्रधानाध्यापक शिव कुमार पटेल अर्धवार्षिक आयु पूर्ण कर शिक्षा विभाग से सम्मानपूर्वक सेवा निवृत्ति प्राप्त की। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी निष्ठा, कार्यकुशलता और अनुशासन के लिए पहचाने जाने वाले श्री पटेल की विदाई केवल एक शिक्षक की सेवानिवृत्ति नहीं, बल्कि एक पूरे शैक्षणिक युग का समापन है। श्री पटेल ने अपने सेवा जीवन की शुरुआत माध्यमिक शाला जमुना बस्ती से की थी। इसके बाद उन्होंने माध्यमिक शाला भालूमाड़ा और हायर सेकेंडरी स्कूल जमुना कॉलरी में भी अपने दायित्वों का प्रभावशाली निर्वहन किया। वे अपने विद्यार्थियों को केवल पाठ्य पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, नैतिकता और अनुशासन का पाठ भी पढ़ाते रहे। शिक्षकों के बीच वे प्रेरणास्रोत, विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, और अधिकारियों के लिए आदर्श प्रशासक रहे। श्री पटेल ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्षों में बदरा संकुल के अंतर्गत शा. मा. शाला प्यारी क्रमांक-1 में प्रधानाध्यापक पद को गौरवान्वित किया। विदाई के अवसर पर शिक्षक साथियों, विद्यार्थियों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। सभी ने एक स्वर में कहा – श्री पटेल जैसे शिक्षक विरले होते हैं, जिन्होंने ज्ञान को संस्कारों से जोड़ा। श्री पटेल ने अपने विदाई वक्तव्य में कहा कि मुझे गर्व है कि मैंने अपना जीवन उन बच्चों को समर्पित किया, जो कल के भविष्य हैं। विद्यार्थियों की सफलता ही मेरी सबसे बड़ी कमाई है। उनकी सेवा यात्रा आने वाली पीढ़ी के शिक्षकों के लिए प्रेरणा की मिसाल है। श्री पटेल का जीवन यह सिखाता है कि अगर शिक्षक अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, तो शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनाया गया डॉक्टर्स डे कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूजकोतमा। 1 जुलाई को हर साल चिकित्सक दिवस मनाया जाता हैं।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ बेबी नाज को अस्पताल के सभी स्टाफ द्वारा डॉक्टर डे के अवसर पर बधाई व शुभकामनाएं दिया गया। सरल स्वभाव, मिलनसार, सादगीपूर्ण व्यवहार, कार्य के प्रति समर्पित, संवेदनशील डॉ बेबी नाज ने भी खुशी के साथ अस्पताल के सभी स्टाफ को मिठाई खिलाकर सहृदय उनका धन्यवाद दिया। एक डॉक्टर की भूमिका पृथ्वी पर भगवान के रूप में होती है। लोगो की जिंदगी को बचाना एक डॉक्टर का मुख्य कार्य व उद्देश्य होता है। सेवा भावना ही उनके जीवन का लक्ष्य होता है। डॉ बेबी नाज जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भी अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं।

रेलवे लाइन किनारे वर्षों से जमे मीट दुकानों को कराया खाली

हरिभूमि न्यूज, कोतमा। नगर में मंगलवार को रेलवे लाइन किनारे वर्षों से जमे मीट बाजार की दुकानों को रेलवे प्रशासन की टीम के द्वारा अभियान चलाकर हटाने की कार्यवाही की गई है। बताया जाता है कि रेलवे विभाग के द्वारा पूर्व में ही कब्जेधारियों को दुकान हटाए जाने को कहा गया था, लेकिन दुकानदारों के द्वारा नहीं हटाया गया। रेलवे लाइन के बगल से लगभग 10 दुकानों का संचालन अस्थाई कब्जा कर लंबे समय से किया जा रहा था जिसकी दुर्गंध एवं बदबू से परेशान नागरिकों द्वारा लगातार रेलवे प्रबंधन एवं नगर पालिका से दुकान हटाने की मांग की जा रही थी। मंगलवार को रेलवे पुलिस एवं आईओडब्लू की संयुक्त टीम के द्वारा सुबह से रेलवे कॉलोनी के पास स्थित मुर्गी बाजार पहुंचते हुए दुकानों को हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। इस दौरान कुछ दुकानदारों द्वारा मामूली विरोध भी किया गया जिसके बाद सयुक्त टीम द्वारा सभी दुकानों को हटाया गया। विदित रहे कि रेलवे लाइन किनारे वर्षों से एक दर्जन से ज्यादा मीट की दुकानें सजाई जाती है। जिससे आस पास रहने वाली घरों की महिलाएं एवं राहगीर दुर्गंध एवं गंदगी से परेशान रहते हैं। जहां पर बीच-बीच में रेलवे प्रबंधन दुकान हटाने की कार्यवाही करता है लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः दुकान यथावत सज जाती हैं। मीट बाजार के सामने आम रोड भी है जिससे स्कूली छात्राएं, राहगीरों के साथ महिलाओं का आवागमन पूरे दिन बना रहता है। सुबह मंदिर जाने वाली महिलाएं को रास्ते में पड़े मीट के टुकड़ों एवं दुर्गंध से शर्मसार होना पड़ता है। मीट दुकानें हटाए जाने पर नागरिकों ने राहत महसूस किया है।

इलेक्ट्रिकल इंजी, मैकेनिकल इंजी, सिविल इंजी एवं माइनिंग इंजी. के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

उमरिया। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय उमरिया ने बताया कि संस्था मे इलेक्ट्रिकल इंजी,मैकेनिकल इंजी,सिविल इंजी एवं माइनिंग इंजी. संचालित है । व्दितीय चरण काउंसलिंग उपरांत रिक्त रह गई सीटो के लिए ऑनलाइन पंजीयन 13 अगस्त तक किया जा रहा है । प्रवेश के अवसर के लिए 2 जुलाई से 13 अगस्त तक की तिथि निर्धारित की गई है । प्रथम प्रवेश का अवसर 2 जुलाई बुधवार को निर्धारित है , जिसका समय प्रातः30 बजे से सायं 5.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होने बताया कि सीएलसी रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन कर प्रिंट आउट प्राप्त कर अभ्यर्थी संस्था में उपस्थित होना अनिवार्य है । संस्था स्तर की कांउसलिंग मे इच्छुक संस्था में प्रवेश अवसर प्राप्त करने के लिए निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक उपस्थित होते हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार तदपरांत मेरिट अनुसार प्रवेश किये जाऐंगे। अधिक जानकारी के लिए 07653-299055 पर संपर्क किया जा सकता है।

बिना परमिट मासूमों को लाने ले जाने में चल रही थी स्कूल बस

यातायात विभाग ने जप्त कर की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज कोतमा। निजी स्कूल संचालकों की मनमानी जिले में पूरी तरह से हावी है। निजी स्कूलों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को लाने ले जाने के लिए प्राइवेट बसों का संचालन किया जा रहा है । लेकिन बसों में शासन की गाइडलाइन के अनुसार नियम का पालन नहीं किए जाने से आए दिन कोई ना कोई दुर्घटनाएं सामने आ रही है। उसे दिन भालूमाड़ा थाना अंतर्गत कदम टोला में एक निजी स्कूल बस के द्वारा 4 साल की मासूम बच्ची के पैर में बस का पहिया चढ़ जाने से मासूम का पर बुरी तरह से कुचल गया था जिसका इलाज शहडोल के निजी चिकित्सालय में चल रहा है। घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक मोतिउर्रहमान के द्वारा गंभीरता दिखाते हुए एक जुलाई से सात जुलाई तक जिले मे सुरक्षित स्कूल बस अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में जिले के सभी थाना प्रभारी को स्कूल बसों की चेकिंग करते हुए कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिये गये हैं।

7 दिनों तक लगातार जारी रहेगा अभियान

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सुरक्षित स्कूल बस अभियान के तहत कोतमा क्षेत्र में संचालित 12 निजी स्कूल बसों पर यातायात हाईवे चौकी द्वारा चेकिंग अभियान चलाते हुए कार्यवाही की गई जिसमें 18,500 रुपए जुर्माना किया गया। कार्यवाही के दौरान बस क्रमांक MP 18 P 2226 बिना परमिट और नंबर प्लेट के पाई गई जिसे यातायात हाईवे चौकी स्टाफ द्वारा मौके पर जप्त

12 निजी स्कूल बसों पर एक साथ हुई कार्यवाही

करते हुए 11,000 रूपया का जुर्माना किया गया । इसके अतिरिक्त अन्य स्कूल बसों में भी नियमों का पालन नहीं करने पर कार्यवाही की गई। सुरक्षित स्कूल बस अभियान के तहत कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। जिले के निजी विद्यालयों के अभिभावकों ने पुलिस अधीक्षक एवं जिला परिवहन अधिकारी से निजी विद्यालयों में लगे बसों में बच्चों के विद्यालय लाने ले जाने के लिए भी किराया निर्धारित करवाए जाने की मांग की है। अभिभावकों ने बताया कि निजी विद्यालयों के द्वारा बच्चों को लाने ले जाने के लिए मनमाने तरीके से बसों का किराया वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार आर्थिक बोझ से परेशान है एक तो महंगी किताबें मनमाने तरीके से निजी विद्यालय के संचालकों के द्वारा चलाई जा रही है और ऊपर से मनमाने तरीके से बसों का किराया भी वसूल किया जा रहा है जिस पर भी रोक लगाये जाने की मांग करते हुए बसों का किराया निर्धारित किए जाने की मांग की है।

कन्याओं के हाथों रुद्राक्ष, गुलाब जामुन और शहतूत पौधा लगाकर किया प्रारंभ

कामद गिरी सेवा आश्रम में किया जाएगा वृहद वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक में कपिलधारा रोड बांधा स्थित कामद गिरी सेवा आश्रम के श्रीमहंत जगतगुरू रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामस्वरूपाचार्य जी महाराज (कामदगिरी पीठम सेवा न्यास के अध्यक्ष) रविवार को शाम अमरकंटक आगमन हुआ और उन्होंने आश्रम में अनेक प्रकार के वृक्षों को रोपित करने का संकल्प लेकर तीन दिवस से यहां पर विराजित है।

उन्होंने बताया कि अमरकंटक में मां नर्मदा तट पर ज्यादा संख्या में पीपल, वट वृक्ष रोपित किये जाये तो इससे पर्यावरण, वातावरण और आध्यात्मिकता सुरक्षित रहेगी। नर्मदा तट प्रभावित न हो इसके लिए वृक्ष ही मध्यम है। इसी से जल की शुद्धता और तट रक्षा भी कायम की जा सकती है। हजारों की संख्या में वृक्ष पीपल, वट वृक्ष और अनेक फलदार पौधे जो वन्य प्राणियों को कुछ आहार प्राप्त हो जैसे लगाएं जाएंगे जिससे पशु पंछी का भी भरण पोषण की व्यवस्था कायम रहे। इस कार्य में अमरकंटक के सभी साधु संतों से अनुरोध है कि हमारा सहयोग करें। कामद गिरी सेवा आश्रम में आज वृक्षा रोपण यहां के कुछ समाज सेवियों, पत्रकारों, नन्हे बच्चियों, शिक्षकों और भक्तों के साथ रोपण किया। 1 जुलाई को संकल्प की शुरुआत सप्त कन्याओं के हाथों हमने रुद्राक्ष, गुलाब जामुन और शहतूत सहित 11 पौधे लगाकर प्रारंभ किया गया है, इसी तरह और आगे वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। इस सेवा हेतु न्यू साईं शक्ति बायोटेक्नोलॉजी कंपनी शहडोल के द्वारा भी प्लांटेशन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

सफाई व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने किये जा रहे प्रयास

कटनी। नगर की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता पर रखते हुए नगर निगम कटनी द्वारा शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कराया जा रहा है।निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशानुसार शहर की सफाई व्यवस्था का अधिकारी निरंतर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दें रहे हैं।वहीं दूसरी ओर निगमायुक्त श्री दुबे भी समय-समय पर सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। स्वास्थ्य अमले द्वारा दैनिक सफाई व्यवस्था एवं रात्रि कालीन सफाई व्यवस्था अन्तर्गत में बस स्टैंड यात्री प्रतीक्षालय,कटनी स्टेशन रोड, मिशन चौक,सुभाष चौक, सब्जी मंडी रोड,बरही रोड,गर्ग चौराहा, गांधी द्वार,झंडा बाजार प्रमुख मार्गों सहित समस्त वार्डों में सफाई कार्य कराया गया इसके साथ ही डिवाइडर,कटनी नदी पुल की भी सफाई कराई गई है। वर्षा ऋतु के दौरान जलप्लावन की स्थिति से निपटने के लिए रविवार को जे.सी.बी मशीन एवं स्वच्छता दूतों द्वारा शहर के विभिन्न नाले-नालियों की सफाई कराई गई। निगमायुक्त श्री दुबे ने नागरिकों से भी आग्रह किया कि इधर-उधर कचरा ना फेंकें, गीले एवं सूखे कचरे को अलग रखते हुए कचरा गाड़ी में ही कचरा डालते हुए शहर को स्वच्छ बनाए रखनें अपनी सहभागिता दें।

निगम निगम में 6 सेवानिवृत कर्मचारियों को दी विदाई

कटनी। नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान माह जून 2025 की स्थित में सेवानिवृत्त हो रहे 6 कर्मचारियों को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक एवं नगर निगम आयुक्त नीलेश दुबे द्वारा शाल श्रीफल एवं उनके स्वत्वों के चैक भेंट कर उनके सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान निगम परिवार के अन्य समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों का तिलक वंदन एवं पुष्पहार पहनाकर ससम्मान विदाई दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी नें कहा कि निगम परिवार से आज हमारे बीच के छह कर्मचारी गणेश बिचपुरिया सुपरवाइजर, गणेश दुबे विनियमित, श्रीमती पूर्णिमा बक्शी शिक्षक, सफाईकर्मी श्रीमती मीना/नंदू, श्रीमती अंतो भगत, श्रीमती लक्ष्मी शिवलाल सेवानिवृत्त हो रहे है। शासन नियमानुसार शासकीय कर्मचारी को निश्चित सेवा अवधि के उपरांत सेवा से निवृत्त होना ही पड़ता है। आप सभी कर्मचारी कर्मठ एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के धनी रहे है। आपके द्वारा अपनी सेवाकाल के दौरान दिया गया योगदान रहा।

शासकीय आईटीआई ढीमरखेड़ा में प्रवेश प्रक्रिया हुई प्रारंभ

कटनी। जिले के आदिवासी विकासखंड ढीमरखेडा (उमरिया पान) में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) में कोपा ट्रेड (कंप्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश के लिए इच्छुक 10वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी पंजीयन करवा सकते है। पंजीयन के उपरांत 5 जुलाई से 11 जुलाई तक तक च्वाईस फीलिंग तथा त्रुटि सुधार कर सकते है। जबकि 12 जुलाई को आवेदको के लॉगिन पर कॉमन रैंक जारी की जायेगी। यदि कॉमन रैंक में कोई त्रुटि है तो आवेदक 13 जुलाई तक सुधार कर सकते है। वहीं 17 जुलाई को मेरिट सूची जारी की जायेगी एवं चयनित आवेदकों को दिनांक 17 जुलाई से 19 जुलाई तक प्रवेश प्रदान किया जावेगा। चौथी सूची अपग्रेड के साथ दिनांक 23 जुलाई को जारी की जावेगी। प्राचार्य शासकीय आईटीआई आनंद चौधरी ने विकासखण्ड ढीमरखेडा.के 10वीं पास सभी इच्छुक छात्र-छात्राओं से जल्द से जल्द अपना पंजीयन कराने और कंप्यूटर व्यवसाय में प्रवेश लेने हेतु अपील की है। साथ ही महिलाओं के लिये 35% सीटें आरक्षित की गई है। इसके अलावा प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अनिल कुमार तिवारी से संपर्क किया जा सकता है।

पाली में अवैध कच्ची शराब बेचने वालों के खिलाफ कब होगी कार्रवाई

धधक रही घरों में भट्ठियां, दिन हो या रात भट्टी में घर-घर सुलग रही है अवैध कच्ची शराब

बिरसिंहपुर पाली

जनपद के ग्राम पंचायत मलहदु के कर्कटी, ऊँचेहरा, कुरावर, मुदरिया, बरहाई, दफ़ाई, घुनघुटी, मालाचुआ, सहित ग्रामीण क्षेत्रों एवं जंगल के सटे गांवों मे कच्ची दारू बनाने का धंधा कुटीर उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है जिसका विरोध जनप्रतिनिधि भी अधिकारियों से शिकायत कर रहे है।

ग्रामीण उमरिया जिला आबकारी विभाग के अधिकारी से कार्यवाही आश लगाए बैठे हैं। यह कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है। गाँव मे कच्ची शराब बनाने वाले नित्य नये-नये प्रयोग करके दारू निकालने के कच्चे माल महुवा लाहन में मानव जीवन के लिये हानिकारक वस्तुओं जहरीली दवाओं, खादों तक का इस्तेमाल किया जाने लगा है। जिनसे कच्ची शराब मे अनलिमिटेड नशा तो आता ही है बल्कि अक्सर दारू के शौकीन लोगों के सेहत के साथ भी खिलवाड़ कर उन्हे मौत के मुंह में ढ़केला जा रहा है। पहले तो यह कच्ची शराब के निर्माता किसी जंगल या गन्ने के खेतों के बीच में या नदियों के किनारे सुनसान स्थानों पर दारू बनाते थे। लेकिन अब गंवई इंजीनियरों द्वारा निरंतर प्रयोगों से प्राप्त तकनीक अपनाते हुये अपने छोटे से घर या झोपड़ी मे विशुद्ध पूर्ण स्वदेशी सर्व सुलभ कच्ची दारू निर्माण संयत्र लगा कर और दारू उत्पादन कर घर पर ही बिक्री करने का कुटीर कारोबार चरम सीमा पर है। बता दे कि जिले के पाली जनपद मे मलहदु, मुदरिया, बरहाई, कर्कटी, ऊँचेहरा, कुरावर, बेली , सांस, चिनकी, कठई, दफ़ाई, बिझला,व सटे गांवों में कच्ची का कारोबार बहुत तेजी से फैल रहा है।

युवा भी हो रहे नशे के आदी

उमरिया जिले के पाली में कच्ची शराब का कारोबार बहुत तेजी से फैल रहा है। इसमें युवाओं की भी भूमिका सक्रिय है। नशा एक फैशन सा बन गया है। शादी हो या पार्टी किसी भी अवसर पर शराब के शौक़ीन युवा नशा करने से नहीं चुकते। इसका खामियाजा भी जनपद वासियों को भुगतना पड़ रहा है। हर रोज दुर्घटनाएं, हत्या, लूट एवं डकैती की घटनाएं हो रही हैं। इसके पीछे कच्ची शराब का भी सहयोग है। युवाओं के अंदर बढ़ रही नशा की लत से समाज में कई तरह की बुराइयां जन्म ले रही हैं। जो देश के लिए अच्छी खबर नहीं है।

सांसद को शहडोल की बजाय अंबिकापुर ट्रेन सुविधाओं की फिक्र: सुभाष

शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने कहा है कि शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने रेल मंत्री से मांग की है कि चेन्नई से बिलासपुर चलने वाली ट्रेन को अंबिकापुर तक चलाया जाए एवं एक ट्रेन अंबिकापुर से अनूपपुर होते हुए मुंबई तक चलाई जाए, इसमें शहडोल का कहीं भी उल्लेख नहीं किया गया है। जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने कहा कि शहडोल की जनता द्वारा लगातार शहडोल से मुंबई ट्रेन चलाए जाने की मांग विगत कई वर्षों से की जा रही है, लेकिन सांसद को शहडोल की बजाय अंबिकापुर की फिक्र ज्यादा है, जो कि छत्तीसगढ़ मे आता है। श्री गुप्ता ने कहा शहडोल मे अंबिकापुर की अपेक्षा सर्व सुविधायुक्त यार्ड है, यहां वाशिंग पिट लाइन बनाना ज्यादा सहज है, अंबिकापुर में 2 से 3 लाइनें हैं और शहडोल से 13 लाइनें हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शहडोल संसदीय क्षेत्र की जनता ने श्रीमती हिमाद्री सिंह को वोट देकर शहडोल जिले का विकास करने के लिए चुना था, न कि छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर का विकास करने के लिए, इस लिए जिले की जनभावनाओं का ध्यान रखते हुए, सांसद को शहडोल से ट्रेन चलाए जाने की मांग करनी चाहिए।

नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा में कक्षा छठवीं सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आनलाईन आवेदन पत्र भरना प्रारंभ हो गया है। विद्यालय के प्राचार्य आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु पंजीयन प्रारंभ हो गया है। आवेदन आनलाईन किया जा सकेगा। आनलाईन आवेदन को जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। आवेदन ऑनलाईन निःशुल्क किया जा सकता है। चयन परीक्षा हेतु आवेदन करने की पात्रता उन विद्यार्थियों को ही है जो कि कटनी जिले में सत्र 2025-26 में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत हों एवं कटनी जिले में ही निवासी

जिला पंचायत में हुआ जिला स्तरीय समापन समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पानी की हर बूंद को सहेजने और भू–जल स्तर में सुधार के उद्देश्य से चलाये गये प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन पर जिला पंचायत कार्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदेश के खंडवा जिले में आयोजित जलगंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संबोधन के सीधे प्रसारण को देखा व सुना गया।

इस मौके पर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा, कलेक्टर दिलीप कुमार यादव, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य अजय गौंटिया, श्रीमती कविता पंकज राय, शहडोल सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम, जनपद पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष जगदीश उर्मलिया, अखिल पाण्डेय और जिला स्तरीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी और कर्मचारियों के अलावा जन अभियान परिषद एवं जल संसाधन विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे। समापन कार्यक्रम के अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले जलदूतों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों सहित कर्मचारियों व जलदूतों को किया सम्मानित

जल संचय के लिए बन रहे खेत तालाब एवं रिचार्ज पिट

अभियान के तहत मनरेगा योजनान्तर्गत 4 करोड़ 38 लाख रूपये की लागत से 2 हजार 49 खेत तालाब स्वीकृत किये गये हैं। इसी प्रकार कपिलधारा कूप रिचार्ज पिट के 1 हजार 856 कार्य स्वीकृत हुये हैं। जिसकी लागत 47 लाख 66 हजार रूपये है। वहीं 4 करोड़ 30 लाख रूपये की लागत से जिले में 18 अमृत सरोवर का निर्माण भी किया जा रहा है। अधिकांश कार्य पूर्णता की ओर है। इन जल संरचनाओं के निर्माण हेतु स्थल चयन में जिले के इतिहास में पहली बार वैज्ञानिक पद्धति सिपरी साफ्टवेयर की मदद से ली गई है। जिससे बेहतर स्थल चयन हो और अधिक मात्रा में जल संरक्षित हो सके।

अभियान के दौरान जन अभियान परिषद के माध्यम से पुरानी जल संरचनाओं, कुओं, बावडियों एवं धार्मिक स्थलों में 282 कार्य, 1894 दीवार लेखन, 164 स्थलों पर नुक्कड़ नाटक एवं प्रभात फेरी के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

अभियान के तहत माय भारत पोर्टल पर 2600 के लक्ष्य के विरूद्ध 3094 वॉलेंटियर का रजिस्ट्रेशन किया गया। जिन्हें लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भू-जल स्तर की गुणवत्ता की निगरानी करने और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने में इस प्रशिक्षण की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की हुई औपचारिक मीटिंग थैंक्स गिविंग कार्यक्रम के साथ सत्र का हुआ समापन

शहडोल।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे अखिल मिश्र के निर्देशानुसार रोटरी क्लब जबलपुर से ऑफिसियल विजिट पर पधारे असिस्टेंट गवर्नर रोटे सीए राकेश खंडेलवाल एवं पूर्व अध्यक्ष रोटे राजेश साहू ने रोटरी क्लब शहडोल के साथ हुई बैठक में क्लब द्वारा वर्ष भर किये गए कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। क्लब के वर्तमान अध्यक्ष रोटे संजय शर्मा ने विस्तृत रूप से शहर में किये गए क्लब की सभी गतिविधियों एवं उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराया एवं रोटरी क्लब शहडोल द्वारा जिला अस्पताल में स्थापित निःशुल्क प्याऊ तथा रजिस्ट्रेशन के लिये आने वाले वृद्ध व असहाय मरीजों के लिए बेंच प्रतिस्थापन का अवलोकन कराया गया, जिसकी उन्होंने सराहना की। जिससे अधिकारीगण अत्यंत प्रभावित हुए एवं इसकी प्रशंसा की एवं आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

इसके उपरांत अध्यक्ष संजय शर्मा द्वारा होटल ग्रीन गार्डन में एक अनौपचारिक थैंक्स गिविंग कार्यक्रम रखा गया, जिसमें क्लब के सभी रोटेरियन सदस्य अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। क्लब के अध्यक्ष संजय शर्मा, सचिव सत्येंद्र सोनी एवं कोषाध्यक्ष डॉ.दीपक कुशवाहा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों वर्ष भर अपना विशेष सहयोग एवं योगदान देने वाले सदस्यों एवं मीडिया से जुड़े मित्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रमुख रूप से सम्मानित होने वाले सदस्यों में रोटे विजय दुबे, अजय बिजरा, प्रकाश गुप्ता, राजेश श्रीवास्तव, मनीष केजरीवाल, एस. राजेश गुप्ता, डॉ.अनिल उपाध्याय, डॉ.आर.डी.दुबे, डॉ.अभिषेक गर्ग, डॉ.निकिता सोनी, अमित गुप्ता बंटी, मोनिका दुबे, विनोद प्रधान, डॉ.अपर्णा उपाध्याय, सतेंद्र सोनी, डॉ. दीपक कुशवाहा आदि शामिल रहे ।

साथ कि अध्यक्ष संजय शर्मा ने पूरे कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया तथा आगामी अध्यक्ष रोटे के.के.गुप्ता एवं उनकी टीम को आगामी सत्र के लिये शुभकामनाएं दी। उसके पश्चात सभी ने मनोरंजक गेम एवं डिनर के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर रोटे विनय तिवारी, संजय कटारे, डॉ.उमेश नामदेव, रविशंकर पाठक, धर्मेंद्र नामदेव, सतीश सराफ, अजय मौर्य, अनिल मोर, राजेश गुप्ता, अविनाश कस्तवार, ऋतुराज गुप्ता , अमित गुप्ता, राहुल सिंघाई, सुशील ताम्रकार, राजेश पाठक, सुनील पांडेय, मृगेंद्र द्विवेदी, संजय तिवारी, नीलेश गुप्ता, गोपाल शर्मा, अजय मुँदरा, संजीव श्रीवास्तव, एस.के.पाण्डे, राजेश कटारे , देवेंद्र कुंदनानी, श्रीमती अर्चना शर्मा, ममता गुप्ता, पूजा कुशवाहा, डॉ.सुधा नामदेव, डॉ.प्रीति गर्ग , रीनू कटारे, मंजू गुप्ता, अनुपमा गुप्ता, ऋचा केजरीवाल, श्वेतांजलि पाठक, रिंकी दुबे, मेघा गुप्ता, विनीता नामदेव, वंदिता गुप्ता, पूजा कस्तवार, रीना सिंघाइर, नीलिमा पाठक, श्रीमती ताम्रकार, रितु मुंदड़ा, सरिता मोर आदि उपस्थित रहे ।

घायलों की जान बचाने वालों को मिलेगी 25 हजार की राशि

सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने की राहवीर योजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

राहवीर योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों को समय पर और तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाना है। यह योजना उन नागरिकों को प्रोत्साहित करती है जो सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों को अस्पताल पहुंचाते हैं।

योजना के प्रमुख बिंदु

राहवीर योजना का मुख्य उद्देश्य है सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन आवर (दुर्घटना के बाद का पहला महत्वपूर्ण घंटा) के भीतर अस्पताल पहुंचाना ताकि उनकी जान बचाई जा सके और गंभीर चोटों से बचा जा सके।

यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को किसी अस्पताल या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाता है और उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उसे सरकार द्वारा 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही नकद पुरस्कार के साथ-साथ, मदद करने वाले व्यक्ति को सरकार द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा। इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मदद करने वाले व्यक्ति को पुलिस या किसी भी कानूनी कार्रवाई से परेशान नहीं किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोग बिना किसी डर या झिझक के घायलों की मदद के लिए आगे आएं।

यह योजना लोगों को एक सच्चे हमदर्द (गुड समैरिटन) के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित करती है और समाज में सहायता और सहानुभूति की भावना को बढ़ावा देती है। यह योजना मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट द्वारा अनुमोदित की गई है और राज्य भर में लागू की गई। प्रदेश में यह राहगीर योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी।

आपात स्थिति से निबटने सूचना तंत्र को सुदृढ और मजबूत बनाएं

बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु निगम के कार्यों एवं तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बाढ़ आपदा की संभावित स्थितियों से निपटनें तथा अतिवर्षा के दौरान जान-माल की क्षति को कम करनें के उद्धेश्य से पूर्व से तैयारियां कर अतिवृष्टि या बाढ़ की स्थिति में निचली बस्तियों मे जल निकासी एवं आवश्यक सुरक्षा के प्रबंध कर बचाव, राहत हेतु नगर निगम के माध्यम से किये जा रहे विभागीय कार्यो एवं आवश्यक व्यवस्था के संबंध में सोमवार को उपायुक्त शैलेश गुप्ता द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित कर अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उपायुक्त श्री गुप्ता द्वारा बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु विभागीय कार्य व्यवस्थाओं को पूर्ण कराने हेतु आपदा प्रबंधन कक्ष में बाढ़ आपदा सामग्री का भंडारण सुनिश्चित करनें, कच्चे पुराने जीर्ण शीर्ण एवं जर्जर भवनों की पहचान कर नोटिस जारी करते हुए तत्काल आवश्यक कार्यवाही किए जाने के साथ ही नगर के मुख्य एवं अन्य मार्गा में आवारा रूप से विचरण करनें वाले मवेशियों के सींग में रेडियम लगवानें सहित आवश्यकयतानुरूप उन्हे सुरक्षित पकड़कर गौ-शाला एवं कांजी हाउस पहुंचानें की कार्यवाही करानें के निर्देश दिए। उपायुक्त श्री गुप्ता ने बाढ़ आपदा से संबंधित नगर निगम में स्थापित कराये गए कंट्रोल रूम को पूरे समय सक्रिय और अलर्ट रहनें के निर्देश दिए है। उन्होंने कंट्रोल रूप के नंबर 07622- 292740 का प्रचार - प्रसार करनें सहित कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक प्रेषित कर तत्काल शिकायतों का निराकरण करानें के निर्देश दिए है। उपायुक्त श्री गुप्ता नें अतिवृष्टि के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए नदी घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगवाने, नदी किनारे की बस्तियों क्षेत्र, जहां पूर्व में बाढ़, जलप्लावन की स्थितियां निर्मित हुई हैं वहां पर पूर्व अनुभवों के आधार पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश गठित दल के अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिए है। बैठक के दौरान राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, सहायक राजस्व अधिकारी सागर नायक, उपयंत्री जे.पी.बघेल, अश्विनी पाण्डेय, संजय मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक तेजभान सिंह सहित अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

डॉक्टर्स डे पर अनूपपुर के लोकप्रिय डॉक्टर गणेश चटर्जी ने ली अंतिम सांस

अनूपपुर। डॉक्टर्स डे के दिन डॉक्टर की विदाई बड़ी ही विडंबना है। गरीब से लेकर बड़े-बड़े लोगों के स्वास्थ्य का इलाज अपनी डिस्पेंसरी के साथ-साथ घर-घर जाकर करने वाले अनूपपुर शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉक्टर गणेश चटर्जी अब हमारे बीच नहीं रहे। डॉक्टर्स डे के दिन अनूपपुर जिला चिकित्सालय में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसके पूर्व उनका इलाज रायपुर में चल रहा था। वरुण चटर्जी के पिता जी, वासुदेव चटर्जी एडवोकेट एवं भारती मेडिकल के संचालक सुदेव एवं देव चटर्जी के चाचाजी डॉ.गणेश चटर्जी के निधन की खबर मिलते ही जिला चिकित्सालय एवं उनके निवास पर काफी संख्या में नगर के नागरिक एकत्रित हो गए। उनकी अंतिम विदाई यात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा। डॉ.गणेश चटर्जी केवल चिकित्सक ही नहीं, बल्कि जनसेवक भी थे। लोगों की सेवा करना, लोगों को अच्छा मार्गदर्शन देना उनकी दिनचर्या में था। डॉ.गणेश चटर्जी के निधन पर काफी लोगों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की है।एवं ईश्वर से प्रार्थना की है कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। उनका अंतिम संस्कार सोन नदी स्थित मुक्तिधाम में किया गया। डॉ.गणेश चटर्जी अपने पीछे रोता, बिलखता परिवार छोड़ गए। उनके एक पुत्र एवं दो पुत्री एवं धर्मपत्नी थी।

सीटू की पहल से वर्षों से लंबित मजदूरों के मज़दूरी का हुआ भुगतान

अनूपपुर। एनटीपीसी सेल्दा वेस्ट निमार जिला खरगोन मध्य प्रदेश में श्रमिक लक्ष्मी राठौर श्रमिक पुनीत पटेल श्रमिक अशोक कुमार साहू जुलाई 2021 से अक्टूबर 2023 तक एनटीपीसी के ठेकेदार लार्सन ऐंड टुब्रो के पेटी ठेकेदार दिलीप कुमार चौधरी के नियोजन में काम किया था। श्रमिक लक्ष्मी राठौर का 96912 रुपए, अशोक कुमार साहू का 95855 रुपए एवं श्रमिक पुनीत पटेल का 76285 रुपए नियोजन के द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा था। ठेकेदार एवं कंपनी से त्रस्त होकर श्रमिकों ने सीटू से संबंधित यूनियन संयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन के अध्यक्ष जुगल किशोर राठौर से संपर्क किया जिस पर कार्यवाही करते हुए सीटू नेता जुगल किशोर राठौर ने मजदूरों का मजदूरी दिलाए जाने में सफलता हासिल किया है। यह पहली बार नहीं है कि प्रदेश के बाहर काम करने वाले प्रवासी मजदूरों का मजदूरी ठेकेदार व कंपनी हड़पने के उद्देश्य से प्रयास न किया गया हो, किंतु कामरेड जुगुल किशोर राठौर के सूझबूझ एवं अनुभव के कारण उनकी एक भी न चली। देर से ही सही लेकिन मजदूरों का एक-एक रुपए का हिसाब उन्होंने शोषक कम्पनी व ठेकेदार से करवाया है। अनूपपुर जिला के प्रवासी मजदूर अब पूरा भरोसा कर बैठे हैं कि अब हम मजदूरों का मजदूरी कामरेड जुगुल राठौर के रहते नहीं हड़पी जाएगी। भुगतान से मजदूरों के परिवार एवं मजदूरों के बीच हर्ष का माहौल है। उनके चेहरे में मुस्कान है। संयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है।

बारिश से नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहा

अनूपपुर नगर पालिका अनूपपुर मे जब से नई परिषद का गठन हुआ है। तब से सब कुछ ठीक नही चल रहा है। जिस कारण नगर के विकास पर ग्रहण सा लग गया है। हर ओर अराजकता व समस्याओं मे लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है मगर जिम्मेदारों ने मौन साध रखा है। जिस कारण जहां नगरवासी समस्याओं के अंबार के बीच जीवन गुजारने को मजबूर हैं वही विकास की आस लगाये बैठे नगरवासियों ने अब आशा भरी निगाहों से देखना ही बंद कर दिया है क्योंकि उन्हे एहसास हो चुका है।

अनूपपुर के लाल ने फिर किया कमाल

ओमकार सिंह ने विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में हासिल की बड़ी जीत
भारतीय नौसेना अधिकारी ने जीता ऐतिहासिक सर्वश्रेष्ठ पिस्टल शूटर पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नॉर्वे में आयोजित 55वीं सीआईएसएम विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में ओमकार सिंह ने पुरुषों की पिस्टल शूटिंग श्रेणी में पहला स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ओमकार सिंह ने शीर्ष भाग लेने वाली टीमों के निशानेबाजों को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। ओमकार सिंह, एमसीपीओ आई, भारतीय नौसेना के अधिकारी हैं और उन्होंने अपनी सटीक निशानेबाजी तकनीक से 1171 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंचाया। यह उपलब्धि भारतीय नौसेना और देश के लिए गर्व का क्षण है। ओमकार सिंह मध्य प्रदेश के अनुपपुर से हैं और उन्होंने अपने करियर में कई पदक जीते हैं, जिनमें 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने 50 मीटर पुरुषों की पिस्टल सिंगल्स इवेंट में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता और 10 मीटर पुरुषों की एयर पिस्टल में दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

किया देश का नाम रोशन-भारतीय नौसेना

भारतीय नौसेना ने ओमकार सिंह की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, इतिहास रचा गया! ओमकार सिंह, एमसीपीओ आई, भारतीय नौसेना को नॉर्वे में 55वीं सीआईएसएम विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ पिस्टल शूटर नामित किया गया, यह भारत के लिए पहली बार है! ओमकार सिंह की इस उपलब्धि से भारतीय नौसेना और देश का नाम रोशन हुआ है। बता दें कि ओमकार सिंह मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले से हैं और एक भारतीय खेल निशानेबाज हैं। वह वर्तमान में भारतीय नौसेना में सेवा कर रहे हैं और सेवा खेलों में भी भाग लेते हैं।

ओमकार सिंह की उपलब्धियाँ

ओमकार सिंह ने अपने करियर में कई पदक जीते हैं, जिनमें 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने 50 मीटर पुरुषों की पिस्टल सिंगल्स इवेंट में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता और 10 मीटर पुरुषों की एयर पिस्टल में दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने गुरप्रीत सिंह के साथ मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (डबल्स) में भी स्वर्ण पदक जीता। ओमकार सिंह की इस उपलब्धि से भारतीय नौसेना और देश का नाम रोशन हुआ है। उनकी सटीक निशानेबाजी तकनीक और कड़ी मेहनत ने उन्हें विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचाया है।

कामगारों की पदोन्नति और एमजीबी की लड़ाई पांचवें दिन भी जारी

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

संगठन की गतिविधियों एवं कौशलेंद्र तिवारी, विवेक शुक्ला, मुकेश लहरे, अजय नारायण के कार्यशैली से प्रसन्न होकर उत्कर्ष सिंह, भदरा 7&8 खदान, एवं 9&10 खदान से दद्दू कोरी ने कोयला मजदूर सभा का दामन थाम लिया। कोयला मजदूर सभा जमुना कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि इस बार की संगठन की लड़ाई आर या पार की लड़ाई लड़ी जा रही है। इस बार स्टॉफ, कर्मचारी की पदोन्नति, लोडरों के MGB का एरियर्स रवि साहू, मुन्ना यादव का बेसिक सुधार एवं एरियर्स, गोविंदा टाउनशिप में वॉल्वमैन की नियुक्ति, सभी कालोनियों में इलेक्ट्रीशियन की नियुक्ति सभी कालोनियों में साफ सफाई का टेंडर पुनः चालू कराने कर्मचारियों के घरों का खिड़की दरवाजा बदलने तथा प्लास्टर फ्लोरिंग का कार्य किए जाने कालोनी में पर्याप्त मात्रा में स्ट्रीट लाइट लगाने एवं अन्य पेंडिंग कार्य जब तक पूरा नहीं हो जाता संगठन अनवरत प्रदर्शन जारी रहेगा।आज के कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ल, महामंत्री रमाशंकर तिवारी, उप महामंत्री कौशलाधीश द्विवेदी, आई आर प्रभारी बिक्रम प्रसाद, उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत तिवारी, रमेश तिवारी, रवि साहू, रजनीश पटेल, विद्या सिंह, कौशलेंद्र तिवारी आदि सैकड़ों कर्मचारी साथियों ने कार्यक्रम में शिरकत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कोतमा दौरे की तैयारियों को लेकर प्रशासन हुआ सक्रिय

4 जुलाई को प्रस्तावित दौरे को लेकर पुख्ता तैयारियां रखने कलेक्टर के निर्देश
कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 4 जुलाई को अनूपपुर जिले के कोतमा में प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में तैयारी संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कार्यक्रम की व्यवस्थाओं जैसे कि भूमि पूजन, लोकार्पण, हितलाभ वितरण, भोजन, पेयजल एवं बैठक व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समयबद्ध एवं समुचित ढंग से सुनिश्चित की जाएं, जिससे कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हो। कलेक्टर श्री पंचोली ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम में वृक्षारोपण, विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन तथा मुख्य कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने जिले के समस्त अधिकारियों को उनके सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और उत्तरदायित्व के साथ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यक्रम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों स्पष्ट किया कि जिले की गरिमा के अनुरूप कार्यक्रम की व्यवस्था होनी चाहिए एवं आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी सहित जिले के सभी विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान द्वारा आज अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 4 जुलाई को कोतमा में प्रस्तावित दौरे कार्यक्रम के तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतमा स्थित मैदान का अवलोकन कर मंच निर्माण, सभा स्थल, ग्रीन रूम, प्रदर्शनी स्थल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, मुख्य नगरपालिका अधिकारी कोतमा एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभा स्थल पर समुचित बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, पेयजल की व्यवस्था, सुविधा गृहों का निर्माण, आम जनों की बैठक व्यवस्था तथा प्रकाश बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री पंचोली ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से पूर्व सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी आपसी सामंजस्य स्थापित कर जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा आपातकालीन सेवाओं की तत्परता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

हेलीपैड स्थल चंगेरी का किया निरीक्षण

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 4 जुलाई को कोतमा में प्रस्तावित कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। इस क्रम में कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान द्वारा ग्राम चंगेरी में निर्माणाधीन हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री पंचोली ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेलीपैड पर वीआईपी आगमन को दृष्टिगत रखते हुए पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं आवश्यक सुविधाएँ समयसीमा में पूर्ण की जाएं। पुलिस अधीक्षक श्री रहमान ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए तथा सुरक्षात्मक इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने आगंतुकों की निगरानी, प्रवेश-निकास व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती के संबंध में भी अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजीत तिर्की सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार का गढ बना ग्राम पंचायत सकोला

किसान के नाम पर निकासी, जमीन पर कुछ नहीं, जिम्मेदारों ने साधा मौन

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

जनपद पंचायत अनूपपुर की ग्राम पंचायत सकोला में मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत खेत तालाब योजना, अब एक और सरकारी छलावे का उदाहरण बन गई है जिसमें योजना तो कागजों में पूरी हो गई, पर ज़मीन पर किसान के हिस्से सिर्फ़ एक गड्ढा और भारी निराशा आई। किसान गुलाब सिंह के नाम स्वीकृत इस योजना की लागत 4,09,523 थी, जिसमें से 2,35,000 की निकासी आज तक हो चुकी है। लेकिन जो 'तालाब' बना है, वह मात्र 5x10 मीटर का एक अधूरा गड्ढा है न तो उसमें पानी रुकेगा, न किसान की उम्मीद। अब यह सवाल रह नहीं गया कि योजना अधूरी क्यों है। असल सवाल यह है कि जब योजना का भौतिक कार्य हुआ ही नहीं, तो भुगतान कैसे और क्यों हुआ और इसका जवाब सीधे तौर पर उन अधिकारियों की ओर जाता है, जिनका कर्तव्य था रोकना, पर उन्होंने आँखें मूंद लीं। इस पूरे मामले की नींव में सबसे पहले हैं रोजगार सहायक रमेश विश्वकर्मा, जो योजना के क्रियान्वयन में ज़िम्मेदार थे। योजना का प्रस्ताव, मजदूरी का सत्यापन, मस्टर रोल की पुष्टि सब कुछ उन्हीं की निगरानी में होता है। जब जमीन पर तालाब जैसा कुछ भी नहीं है, तब यह स्पष्ट है कि वे या तो लापरवाह थे, या इस प्रक्रिया में सहभागी। इसके बाद आते हैं सब इंजीनियर श्री श्रीवास्तव, जिनकी तकनीकी जांच पर पूरा भुगतान आधारित होता है। उन्होंने इस योजना को 'चल रहा मानकर अपनी रिपोर्ट देते रहे और मूल्यांकन करते रहे जबकि निर्माण कार्ड चालू ही नहीं था जो न केवल गैर जिम्मेदाराना है, बल्कि तकनीकी धोखाधड़ी की परिधि में आती है। जब आप किसी किसान के नाम पर योजना को स्वीकृति देते हैं, तो आपकी ज़िम्मेदारी बनती है कि आप उसकी सच्चाई भी देखें। लेकिन यहां सच्चाई नहीं देखी गई देखा गया तो सिर्फ भुगतान की हरी झंडी। एसडीओ (अनुविभागीय अधिकारी) की भूमिका यहां और भी निराशाजनक है। एक अधिकारी जिसकी जिम्मेदारी निरीक्षण और अनुमोदन की होती है, उसने दस्तखत कर दिए बिना यह सुनिश्चित किए कि योजना में वास्तव में कुछ हुआ भी है या नहीं। यह सिर्फ़ लापरवाही नहीं, यह प्रशासनिक सजगता की विफलता है। अब आते हैं उस अधिकारी पर जो इस योजना के भुगतान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाता है सहायक कार्यक्रम अधिकारी की भूमिका योजनाओं की तकनीकी व वित्तीय स्वीकृति, मस्टर रोल जांच, और मास्टर जनरेट करने की होती है। इस योजना में APO ने कार्य अधूरा होने के बावजूद भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई, मास्टर जनरेट किया, और कोई आपत्ति नहीं उठाई। इसका मतलब साफ है: या तो APO ने ज़िम्मेदारी से मुँह मोड़ा, या फिर वह इस लापरवाही में मौन सहमति से शामिल था। दोनों ही स्थितियों में वह इस गड़बड़ी का अहम भागीदार है। और अंततः, उस व्यक्ति की बात करें, जिसकी नाक के नीचे यह पूरा खेल चल रहा है मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO)। जब एक अधिकारी सब जानकर भी चुप है, जब ज़मीन पर कुछ नहीं है और पैसे निकल चुके हैं, जब सवाल उठ चुके हैं लेकिन कोई जांच शुरू नहीं होती तब यह चुप्पी सिर्फ़ चुप्पी नहीं, सहमति की भाषा बन जाती है। जब शासन के सबसे ऊँचे पद पर बैठा अधिकारी मौन हो जाए, तो यह मान लेना चाहिए कि भ्रष्टाचार अब व्यक्तिगत दोष नहीं, संस्थागत सुविधा बन चुका है। गुलाब सिंह के खेत में तालाब नहीं बना, लेकिन इस योजना ने प्रशासनिक व्यवस्था का असली चेहरा जरूर दिखा दिया जहां योजनाएं चंद लोगों की धन उगाही की स्कीम बन चुकी हैं, और किसानों की ज़रूरतें कागज़ के बोझ तले दम तोड़ रही हैं। सरकारें गंगा जल संवर्धन, जल संरक्षण और सिंचाई सुधार जैसी बातों से अपनी छवि बनाती हैं, लेकिन जब ज़मीनी अफसर उन योजनाओं को मिट्टी में मिला दें, और शीर्ष अधिकारी उस पर पर्दा डाल दें, तब यह साफ हो जाता है कि योजनाओं का अस्तित्व केवल दस्तावेज़ों और बजट में बचा है। यदि इस मामले में अब भी कोई कार्रवाई नहीं होती, तो यह प्रशासन के लिए नहीं, जनता के धैर्य के लिए अंतिम चेतावनी होगी। क्योंकि जनता के टैक्स से तनख्वाह लेने वाले ये अफसर, जब ज़मीन पर काम छोड़कर कागज़ पर घोटाले करने लगें, तो यह सिर्फ़ भ्रष्टाचार नहीं जनता की मेहनत, विश्वास और अधिकार की सीधी लूट होती है और इस लूट पर चुप रहना अब अपराध से कम नहीं।

प्रचार बोर्ड लगाने वृक्षों पर निर्ममता से ठोंक रहे लोहे की कील

कहां गया पर्यावरण संरक्षण संवर्धन, एक वृक्ष 100 पुत्र समान का नारा भी बेमानी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में व्यवसायी अपने कार्यों का प्रचार प्रसार करने हेतु कोई कोर कसर नहीं छोड़ते यहां तक कि प्रचार सामग्री का बोर्ड वर्तमान समय का फ्लेक्स को लगाने टांगने के लिए हरे भरे वृक्षों पर निर्ममता के साथ मोटे मोटे लोहे का कीला ठोंक कर तथा लोहे का तार बांधकर प्रचार सामग्री लगाते एवं बांधते हैं। यहां तक कि कतिपय कार्यकर्ता वृक्ष में रस्सी एवं तार से तोरण तथा पताका बांधते हैं इससे वृक्षों की संरचना एवं अन्य गतिविधि प्रभावित एवं बाधित होती है। इस तरह की कार्य गतिविधियों को देखकर लगता है कि शासन एवं प्रशासन का नारा, स्लोगन महज दिखावा एवं कार्यक्रमों में बोलने तक सीमित हो गया है। पर्यावरण वृक्षों के संरक्षण संवर्धन का यह नारा बेमानी हो गया है जिसमें एक वृक्ष सौ पुत्र समान बताया जाता है लेकिन लोग वृक्षों को अपने हित साधन एवं लाभार्जन के लिए प्रचार प्रसार हेतु कोई कोर कसर नही छोडते। वृक्षों पर बोर्ड टांगते हैं लगाते हैं इसके लिए पेड़ में बहुत ही निर्मम तरीके से कील ठोक देते हैं ताकि गिरे नहीं और साथ ही लोहे का तार बांधते हैं। पावन पवित्र नगरी अमरकंटक धार्मिक तीर्थ स्थल है आध्यात्मिक केंद्र है ऐसे पवित्र तीर्थ स्थल के पेड़ पौधों पर इस तरह का कृत्य क्या सही है। पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के जालेश्वर से अमरकंटक नगर तक तथा कबीर चबूतरा से अमरकंटक नगर तक एवं सोनमूड़ा, माई की बगिया जाने वाले मार्ग के सैकड़ो विभिन्न प्रजातियों के पेड़ पौधों में व्यवसाईयों के द्वारा प्रचार बोर्ड टांग कर कील से ठोक कर तार से बांधकर लगाया गया है। बाहर से आए एक पर्यावरण प्रेमी एवं वृद्ध संत ने कहा कि पेड़ पौधों के साथ ऐसा कदापि भी नहीं करना चाहिए। प्रशासन के विभिन्न विभागों के नजर इसमें नहीं पड़ी या इस पर ध्यान नहीं दिया गया ऐसे प्रचार तंत्र के बोर्ड को त्वरित हटवाया जाना चाहिए। समय- आने पर कार्यक्रमों के दौरान वक्ताओं के द्वारा कहा बोला जाता है कि वृक्ष हमें प्राण वायु देते हैं ऑक्सीजन देते हैं वृक्ष न रहे तो मानव का जीवन असंभव एवं दूभर हो जाए। पवित्र नगरी अमरकंटक में हर आम खास जगह के वृक्ष पर प्रचार तंत्र का बोर्ड लगा हुआ है यहां तक की विभिन्न आश्रमों के सामने कार्यालय तथा विद्यालय के सामने लगे वृक्ष पर भी ऐसा ही कुछ देखा जा सकता है इसके चलते कई जगह वृक्ष सूख गए हैं तो कुछ गिरने की कगार पर हैं। क्या जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन अमरकंटक तथा वन विभाग एवं पुलिस प्रशासन इस दिशा में ध्यान देकर त्वरित आवश्यक कार्यवाही कराएगा।

डॉक्टर्स डे पर लायंस क्लब ने डॉक्टर जनक सारीवान का किया सम्मान

अनूपपुर। डॉक्टर्स डे पर मंगलवार को लायंस क्लब अनूपपुर के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ कौशलेन्द्र सिंह व उनकी टीम द्वारा जिले मे सर्वाधिक एवं संभाग के सबसे ज्यादा नेत्र रोगियों का आपरेशन सफलतापूर्वक करने वाले डॉक्टर जनक सारीवान का उनके निवास पहुंचकर शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस दौरान लायंस पीएस राउतराय, दुर्गेन्द्र सिह भदौरिया, अशोक शर्मा, राजेन्द्र बियानी, श्रीमती लक्ष्मी खेडिया और श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा ने श्रीफल और साल देकर डॉक्टर जनक सारीवान को सम्मानित किया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का वर्तमान नाम निमिषा यादव है। जन्म तिथि 28/10/2011 है। वह वर्तमान में ग्राम पसला जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश में निवास कर रही है। अब से उसका नाम अपेक्षा यादव किया गया है। आगे से उसे अपेक्षा यादव के नाम से जाना और पहचाना जाएगा।

यह नाम परिवर्तन अभिभावक के रूप में मैंने किया है।

अभिभावक का नाम
ओमकार यादव

तारीख: 22 जून 2025